क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
# क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 223, शनिवार, 08 सितम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# बीएसएफ प्रमुख का दावा- रोहिंग्याओं को शरण दे रही ममता सरकार

नेशनल डेस्क।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक के के शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल रोहिंग्याओं के प्रति 'थोड़ा मित्रवत' है और उसने करीब 70 ऐसे परिवारों के वास्ते विशेष शिविर भी लगाए हैं। इनकी संख्या सुनिश्चित करने के लिये उन्होंने एक जांच भी करवाई है। भारत और बांग्लादेश के बीच 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा की चौकसी का जिम्मा संभालने वाले बल के प्रमुख ने कहा कि बीएसएफ इस मुद्दे के प्रति सजग है और म्यामां के इन प्रवासियों का बड़े पैमाने पर कोई प्रवेश नहीं हुआ है। शर्मा ने कहा कि हम स्थिति को लेकर सजग हैं। हमें पता है कि बांग्लादेश में बड़ी संख्या में रोहिंग्या इकट्ठे हो गये हैं और समय समय पर उनमें से कुछ लोग भारत में प्रवेश करने का प्रयास भी करते हैं लेकिन मुझे यह कहते हुए खुशी है कि हमने उन्हें सफल नहीं होने दिया। भारत में रोहिंग्याओं का बड़े पैमाने पर कोई प्रवेश तो नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जो भी रोहिंग्या हैं, वे पहले से हैं कुछ स्थानों पर वे दबाव में भी हैं इसलिए वे पश्चिम बंगाल जा रहे हैं, एक ऐसा राज्य जो उनके प्रति थोड़ा मित्रवत है। अपने बांग्लादेशी समकक्ष के साथ संवाददाता सम्मेलन में शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल ने देश के अंदर से, न कि बांग्लादेश से पहुंच रहे रोहिंग्याओं के लिए शिविर भी लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हमने जांच करवायी है और करीब 70 ऐसे परिवार हैं जो भारत के विभिन्न स्थानों से पहुंच हैं। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के महानिदेशक मेजर जनरल मोहम्मद शफीनुल इस्लाम से भी यही सवाल किया गया और उन्होंने जवाब दिया कि उनके देश में रोहिंग्याओं की अनधिकृत आवाजाही रोकने के लिए बड़ी चौकसी है।

## संक्षिप्त समाचार

### दिलबाग सिंह ने जम्मू-कश्मीर डीजीपी का पदभार संभाला

**श्रीनगर।** भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी दिलबाग सिंह ने शुक्रवार को जम्मू- कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का पदभार संभाल लिया। सिंह ने डॉ. एस पी वैद के स्थान पर पदभार ग्रहण किया है। डॉ. वैद ने श्रीनगर मुख्यालय में सिंह को बैटन सौंपा। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि श्री सिंह ने डीजीपी का पदभार संभालने के बाद तुरंत पुलिस अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सिंह ने राज्य में शांति बनाये रखने के लिए आधिकारियों को प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के समक्ष कई चुनौतियां हैं और इनका मिलकर सामना करना है। उन्होंने अधिकारियों को कल्याणकारी कार्यों और अधीनस्थ कर्मियों की अन्य जरूरतों का खयाल रखने के निर्देश दिए। सिंह ने उन्हें आश्वस्त किया कि वह हमेशा अपने जवानों और अधिकारियों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अच्छे कार्यों से अपना नाम कमाया है और हम सभी का कर्तव्य बनता है कि हम पुलिस बल को नयी ऊंचाई पर ले जाएं। प्रवक्ता ने बताया श्री सिंह 1987 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।

### दिलबाग सिंह ने जम्मू-कश्मीर डीजीपी का पदभार संभाला

**श्रीनगर।** भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी दिलबाग सिंह ने शुक्रवार को जम्मू- कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का पदभार संभाल लिया। सिंह ने डॉ. एस पी वैद के स्थान पर पदभार ग्रहण किया है। डॉ. वैद ने श्रीनगर मुख्यालय में सिंह को बैटन सौंपा। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि श्री सिंह ने डीजीपी का पदभार संभालने के बाद तुरंत पुलिस अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सिंह ने राज्य में शांति बनाये रखने के लिए आधिकारियों को प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के समक्ष कई चुनौतियां हैं और इनका मिलकर सामना करना है। उन्होंने अधिकारियों को कल्याणकारी कार्यों और अधीनस्थ कर्मियों की अन्य जरूरतों का खयाल रखने के निर्देश दिए। सिंह ने उन्हें आश्वस्त किया कि वह हमेशा अपने जवानों और अधिकारियों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अच्छे कार्यों से अपना नाम कमाया है और हम सभी का कर्तव्य बनता है कि हम पुलिस बल को नयी ऊंचाई पर ले जाएं। प्रवक्ता ने बताया श्री सिंह 1987 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।

### मॉब लिंचिंग पर उच्चतम न्यायालय सख्त- राज्य सरकारों को लगाई फटकार

**नेशनल डेस्क।** उच्चतम न्यायालय मॉब लिंचिंग की घटनाओं को लेकर सख्त दिखाई दे रही है। कोर्ट ने इस घटनाओं को रोकने संबंधी अपने आदेश को लागू करने में देरी पर शुक्रवार को राज्यों को सख्त चेतावनी दी है। कोर्ट ने इस बात पर नाराजगी जताई की 29 राज्यों तथा सात केंद्र शासित प्रदेशों में से केवल 11 ने भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और गोरक्षा के नाम पर हिंसा जैसे मामलों में कदम उठाने के शीर्ष अदालत के आदेश के अनुपालन के बारे में रिपोर्ट पेश की है। प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा और न्यायमूर्ति एएम खानविलकर तथा न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने ऐसा नहीं करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रिपोर्ट पेश करने का अंतिम अवसर देते हुए चेतावनी दी कि यदि उन्होंने एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट पेश नहीं की तो उनके गृह सचिवों को न्यायालय में व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होना पड़ेगा। इस मामले की सुनवाई के दौरान, केंद्र ने पीठ को सूचित किया कि गोरक्षा के नाम पर होने वाली हिंसा के मुद्दे पर न्यायालय के फैसले के बाद भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या करने के बारे में कानून बनाने पर विचार के लिए मंत्रियों के समूह का गठन किया गया है। न्यायालय कांग्रेस के नेता तहसीन पूनावाला की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में राजस्थान में 20 जुलाई को डेयरी किसान रकबर खान की कथित तौर पर पीट-पीटकर हुई हत्या के मामले में शीर्ष अदालत के फैसले के कथित उल्लंघन का हवाला देते हुए प्रदेश के पुलिस प्रमुख, मुख्य सचिव समेत अन्य अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई करने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने 17 जुलाई को कहा था कि भीड़तंत्र की भयावह हरकतों को कानून पर हावी नहीं होने दिया जा सकता। इसके साथ ही गोरक्षा के नाम पर हिंसा और भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या के मामलों में कई दिशा-निर्देश जारी किए थे। न्यायालय ने सरकार से कहा था कि इस तरह की घटनाओं से सख्ती से निपटने के लिये वह नया कानून बनाने पर विचार करे।

### पश्चिम बंगालः कोलकाता के बाद सिलीगुड़ी में गिरा पुल, एक शख्स घायल

**नेशनल डेस्क।** पश्चिम बंगाल में पुलों की गिरने की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कोलकाता के बाद अब दार्जीलिंग जिले के सिलीगुड़ी के निकट शुक्रवार सुबह एक पुल ढह गया। इस घटना में एक ट्रक चालक घायल हो गया। राज्य के मंत्री रवींद्रनाथ घोष ने बताया कि हादसे के वक्त ट्रक पुल पार कर रहा था वह अब भी पुल के टूटे हिस्से से लटक रहा है। यह पुल मानगंज इलाके को सिलीगुड़ी से जोड़ता है। ट्रक चालक को अस्पताल ले जाया गया है। हफ्ते में यह दूसरा मौका है जब पुल गिरा है। इससे पहले चार सितंबर को दक्षिण कोलकाता में डायमंड हार्बर रोड पर बना करीब 50 साल पुराना माझेरहाट पुल का एक हिस्साढह गया था। घटना में 3 लोगों की जान चली गई थी और कई लोग और वाहन इसकी चपेट में आ गए थे। साल 2013 के बाद से शहर में पुल ढहने की यह तीसरी बड़ी घटना है।

## पाक की तारीफ कर घिरे सिद्धू

# पाक की तारीफ कर घिरे सिद्धू, भाजपा ने कांग्रेस से मांगा जवाब

नेशनल डेस्क।

पंजाब के कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू अपने पाकिस्तान दौरे को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। इस बीच खबर आई है कि पाकिस्तान की नई सत्तासीन इमरान खान की सरकार करतारपुर साहिब कॉरीडोर भारत के लिए खोलने के लिए तैयार हो गई है। हालांकि इस फैसले के बाद सिद्धू भाजपा के निशाने पर आ गए। दरअसल कैबिनेट मंत्री ने इस फैसले पर खुशी जताते हुए कहा कि आज मेरे लिए जीवन सफल होने जैसी बात है। मैं इस फैसले के लिए अपने दोस्त और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के आगे नतमस्तक होकर शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने इसका विरोध करते हुए कहा कि सिद्धू ने पाकिस्तान की तारीफ कर देश का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस पर जवाब देना चाहिए। गौरतलब है कि पाकिस्तान सरकार की ओर से ऐलान किया गया है वह गुरुनानक देव जी की 550वीं पुण्यतिथि पर कॉरिडोर को खोलेगी। यह कॉरिडोर भारत में रहने वाले सिख श्रद्धालुओं के लिए काफी खास माना जाता है। खास बात ये है कि भारत और पाकिस्तान के बीच करतारपुर साहिब की दूरी महज तीन किलोमीटर है, अगर पाकिस्तान कॉरिडोर को खोल देता है तो भारतीयों के लिए अनमोल तोहफा होगा।

### लोकसभा चुनाव के लिए घर-घर जाकर चंदा मांगेगी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने 2019 के लोकसभा चुनाव और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जरूरी वित्तीय इंतजाम करने की खातिर अब घर-घर तक पहुंचने की योजना बनाई है। पार्टी के कार्यकर्ता आने वाले दिनों में घर-घर जाकर वोट के साथ चंदा भी मांगेगे। कांग्रेस के रणनीतिकारों का मानना है कि पार्टी को यह स्वीकार करने में गुरेज नहीं करना चाहिए कि कारपोरेट समूहों से उसे चंदा नहीं मिल रहा और वह आम जनता की मदद से चुनाव लडना चाहती है। पार्टी के कोषाध्यक्ष अहमद पटेल और संगठन महासचिव अशोक गहलोत ने कल कांग्रेस महासचिवों, प्रभारियों, प्रदेश इकाइयों के अध्यक्षों और कोषाध्यक्षों के साथ बैठक की जिसमें कई अन्य मुद्दों के साथ आगामी चुनावों के लिए वित्तीय इंतजामों को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक में मौजूद रहे कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, ''बैठक में डोर टू डोर प्रचार अभियान, बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और सीधे जनता से चंदा इक्ट्ठा करने की बात की गई। सीधे जनता से चंदा मांगना एक बेहतरीन योजना है। इससे पार्टी सीधे आम लोगों से जुड़ेगी।'' पार्टी की इस बैठक में शामिल रहे एक अन्य नेता ने कहा, ''सबको पता है कि कारपोरेट जगत सत्तारूढ़ पार्टी के साथ है। कांग्रेस हमेशा से गरीबों और आम जनता की पार्टी रही है। अगर हम वोट के साथ चंदा मांगने के लिए भी सीधे आम लोगों तक जाएंगे तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है।''

### दिल्ली में बारिश, जल भराव, ट्रैफिक जाम से लोग हुए परेशान

**नई दिल्ली ।** राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार शाम हुई जोरदार बारिश के कारण कई जगहों पर जलभराव तथा ट्रैफिक जाम हो गया जिसके कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश और जलभराव के कारण व्यस्त समय में शहर में कई जगहों पर ट्रैफिक जाम हो गया। यातायात पुलिस के अनुसार सरिता विहार से बदरपुर तक मथुरा रोड पर, बत्रा अस्पताल से देवली और छोटी लाइन टी-पॉइंट तक एमबी रोड पर, सावित्री सिनेमा से ग्रेटर कैलाश भाग 2 रोड पर, बदरपुर में रेलवे अंडरपास, चट्टा रेल तथा जाकिर हुसैन कॉलेज के पास जे एल एन मार्ग पर दोनों तरफ जलभराव की सूचनाएं मिली। पुरानी दिल्ली में सदर बाजार के तेलवाड़ा कुतुब चौक, राजा राम कोहली मार्ग, नाला रोड पर एस डी एम कार्यालय के पास, बिहारी कॉलोनी में सड़क नंबर 57 पर भी जलभराव की जानकारी मिली, इसके अलावा प्रगति मैदान रेलवे पुल के नीचे, लक्ष्मी नगर से विजय चौक तक और दुर्गापुरी चौक से लोनी गोल चक्कर तक जलभराव हुआ। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार यहां पर वायु की गुणवत्ता का सूचकांक मध्यम श्रेणी का रहा। मौसम विभाग ने बताया कि गुरूवार को यहां पूरे दिन बादल छाए रहे और रात को भी बारिश होने के आसार हैं।

# अनशन पर बैठे हार्दिक पटेल की 14वें दिन तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

**अहमदाबाद।**

अनशन पर बैठे पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) के नेता हार्दिक पटेल की 14 दिन तबीयत बिगड़ी गई है। उन्होंने तुंरत अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टर उनके इलाज में लगे हुए है। आपको बतां दे कि हार्दिक पटेल का गत 25 अगस्त से शुरू हुआ अनशन आज 14 वें दिन है। इससे पहले पूर्व में उनके कार्यक्रमों के बाद हिंसा के चलते सरकार से बाहर अनशन की अनुमति नहीं मिलने पर हार्दिक ने गत 25 अगस्त से यहां ग्रीनवुड रिसार्ट स्थित अपने आवास पर ही अनशन शुरू कर दिया था।

सरकार की ओर से बातचीत की पहल नहीं होने से नाराज होकर कल शाम से पानी पीना भी बंद कर दिया है। उन्हें मनाने तथा अनशन समाप्त करने का प्रयास करने के लिए पाटीदारों की लेवुआ उपजाति (हार्दिक स्वयं कड़वा उपजाति के हैं) की शीर्ष धार्मिक संस्था खोडलधाम ट्रस्ट के चेयरमैन नरेश पटेल ने राजकोट से यहां आकर आज उनसे मुलाकात भी की।

# शिवसेना ने महिला विरोधी टिप्पणी को लेकर भाजपा विधायक की तुलना खिलजी से की

**मुंबई।**

शिवसेना ने शुक्रवार को महाराष्ट्र से भाजपा विधायक राम कदम के लड़की का ''अपहरण'' करने को लेकर दिए विवादित बयान के लिए उनकी तुलना 13वीं सदी के दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी से की और उनकी इस टिप्पणी पर पार्टी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। कदम ने युवाओं से कहा था कि उन्हें जो लड़की पसंद हो वे उसका ''अपहरण'' करवा लेंगे। शिवसेना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन तलाक के मामले में मुस्लिम महिलाओं को ''न्याय'' दिलाने की बात करते हैं जबकि महाराष्ट्र में उनकी पार्टी के विधायक राज्य की महिलाओं के बीच डर पैदा कर रहे हैं। शिवसेना ने पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में कहा, ''रानी पद्मावती ने अपने सम्मान, प्रतिष्ठा और धर्म की रक्षा करने के लिए अन्य हजारों राजपूत महिलाओं के साथ 'जौहर' किया था। अलाउद्दीन खिलजी और उसके उत्पीडन के खिलाफ उनका 'जौहर' अब भी भारत में महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है ।

लेकिन ऐसा दिख रहा है कि महाराष्ट्र में महिलाओं के लिए भाजपा के खिलजी के खिलाफ 'जौहर' करने का समय आ गया है।'' संपादकीय में पूछा गया है, ''मुख्यमंत्री के अजीज भाजपा विधायक राम कदम ने महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक शब्द कहे जो उनके अहंकार को दिखाता है। उन्होंने कहा 'बस मुझे उस लड़की का नाम बताइये जिसे आप पसंद करते हो और मैं उसे अगवा कर लूंगा और आपको सौंप दूंगा।' महाराष्ट्र में किस तरह की आनंदभोगी संस्कृति पनप चुकी है?''

# एससी एसटी अधिनियम एक्ट के साथ बीजेपी ने किया खिलवाड़: मायावती

**लखनऊ।**

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम (एससी एसटी अधिनियम) में संशोधन के खिलाफ'भारत बंद'को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का षडयंत्र करार देते हुए आज कहा कि यह गलत आर्थिक नीतियों से आम जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास है। मायावती ने कहा कि भाजपा शासित कुछ राज्यों में भारत बंद का आयोजन वास्तव में भाजपा और आरएसएस का जातिवादी एवं चुनावी षडयंत्र है। भाजपा की सरकारें आम जनता का ध्यान गलत आर्थिक नीतियों से भटकाना चाहते हैं इसलिये ऐसे प्रयास किये जा रहे हैं। नोटबंदी और गलत तरीके से वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली लागू करने से कारोबार को जबरदस्त झटका लगा है।

इसके कारण बेरोजगारी बढ़ी है और लोगों का पलायन बढ़ा है। पेट्रोल एवं डीजल की बढ़ती कीमतों का जिक्र करते हुए बसपा प्रमुख ने कहा कि इससे जन जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि एस सी एसटी अधिनियम आदिवासी समाज तथा दलित समाज के सम्मान से जुड़ा है। इसको मूल लाने के प्रयासों से समाज के कुछ वर्गों ने नाराजगी जाहिर की है लेकिन वास्तव में कुछ लोगों में इस कानून का दुरुपयोग करने के बारे गलत धारणा बन गई है। उन्होंने कहा कि कानून का इस्तेमाल राज्य सरकारों की सोच पर निर्भर करता है।

# बाढ़ प्रभावित केरल की करेंगे हर संभव मदद: केंद्र सरकार

नेशनल डेस्क।

केरल सरकार ने शुक्रवार को फैसला किया कि पिछले महीने आई भीषण बाढ़ के बाद जमीनी स्तर पर जैवविविधता को हुए नुकसान का आकलन कराया जाएगा। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के कार्यालय ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि जैव विविधता को हुए नुकसान के आकलन और इस पर तथा परिस्थितिकी तंत्र पर पड़े प्रभाव के अध्ययन के लिये आंकड़े जुटाने का काम एक महीने में पूरा कर लिया जाएगा। पोस्ट में कहा गया कि केरल राज्य जैव विविधता बोर्ड स्थानीय निकायों की जैवविविधता प्रबंधन समितियों की सहायता से बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित जिलों में यह अध्ययन करेगा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि इसके नतीजों का इस्तेमाल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों की मदद से सतत विकास की व्यापक योजनाओं को बनाने में किया जाएगा। बड़ी संख्या में भूस्खलन और भीषण बाढ़ की वजह से राज्य में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। राज्य में 29 मई को मानसून की दस्तक के बाद से मरने वालों का आंकड़ा 491 तक पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने बताया कि त्रिचुर जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के अपनी दौरे के दौरान केंद्र सरकार ने केरल की संवेदनशील स्थिति को समझा है। उन्होंने कहा कि कोष की कोई समस्या नहीं है और केंद्र हमेशा धन देता रहा है। संबंधित क्षेत्रों में पुर्निनर्माण और पुर्निवकास कार्यों के लिए हरसंभव मदद की जा रही है। मंत्री ने कहा कि वह प्रभावित क्षेत्रों में किये जा रहे पुनर्वास और पुर्निनर्माण कार्यों का राज्य सरकार के साथ मूल्यांकन करेंगे।

### संजीव भट्ट की रिमांड की मांग करने वाली गुजरात सीआईडी की याचिका खारिज

**पालनपुर।** गुजरात में पालनपुर की एक अदालत ने 22 साल पुराने एक मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट की हिरासत की मांग करने वाली पुलिस की याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। गुजरात पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने भट्ट और पालनपुर थाना के तत्कालीन निरीक्षक आई बी व्यास को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया था। सीआईडी ने दोनों को अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट वी आर चारण की अदालत में पेश करते हुए उन्हें 14 दिनों की हिरासत में सौंपने का अनुरोध किया। वहीं, बचाव पक्ष के वकील ने दलील दी कि मामला 22 वर्ष पुराना है और इससे जुड़ी एक याचिका उच्चतम न्यायालय में लंबित है। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद मजिस्ट्रेट ने सीआईडी की मांग खारिज करते हुए दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीआईडी के अनुसार भट्ट के नेतृत्व में बनासकांठा पुलिस ने वकील सुमेर सिंह राजपुरोहित को करीब एक किलोग्राम मादक पदार्थ रखने के आरोप में 1996 में गिरफ्तार किया था। उस समय बनासकांठा पुलिस ने दावा किया था कि मादक पदार्थ जिले के पालनपुर में होटल के उस कमरे से मिला था जिसमें राजपुरोहित ठहरे थे। भट्ट उस वक्त बनासकांठा जिला के पुलिस अधीक्षक थे।गौरतलब है कि राजस्थान पुलिस की जांच में खुलासा किया गया था कि राजपुरोहित को इस मामले में बनासकांठा पुलिस ने कथित तौर पर फंसाया था, ताकि उसे राजस्थान के पाली स्थित अपनी विवादित संपत्ति हस्तांतरित करने के लिए बाध्य किया जा सके।

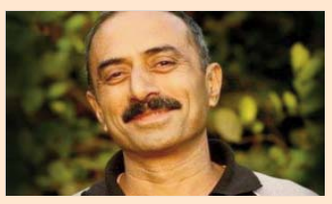

संपादकीय

## बड़े असर वाला फैसला

देश, काल और परिस्थितियां बदलने पर किस तरह मूल्य-मान्यताएं और नियम-कानून भी बदल जाते हैं, इसका ही उदाहरण है समलैंगिकता पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला। इस फैसले का असर भारत ही नहीं, भारत के बाहर उन तमाम देशों पर भी पड़ेगा जो भारतीय लोकतंत्र से प्रेरित होते हैं और जहां समलैंगिकता को अपराध माना जाता है। स्पष्ट है कि यह बड़े असर वाला एक बड़ा फैसला है। ऐसा कोई फैसला समय की मांग थी, क्योंकि इस धारणा का कोई औचित्य-आधार नहीं कि समलैंगिकता किसी तरह की विकृति है अथवा भिन्न यौन व्यवहार वाले कमतर नागरिक हैं। यह फैसला समलैंगिकों के साथ-साथ भिन्न यौन अभिरुचि वाले अन्य लोगों के लिए भी एक बड़ी राहत लेकर आया है। यह फैसला इसलिए भी उल्लेखनीय है कि जिस सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के उस अंश को रद किया जो बालिगों के बीच सहमति से बनाए गए समलैंगिक संबंधों को अपराध घोषित करती थी उसी ने 2013 में ऐसा करने से यह कहते हुए इन्कार कर दिया था कि यह काम तो संसद का है। इतना ही नहीं, उसने इस फैसले पर पुनर्विचार याचिका को भी खारिज कर दिया था। 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से 2009 में दिए गए उस फैसले को पलटने का काम किया था जिसमें धारा 377 को असंवैधानिक करार दिया गया था। एक तरह से सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने भूल सुधार करते हुए वही फैसला दिया जो दिल्ली उच्च न्यायालय ने नौ साल पहले ही दे दिया था। इस बीच संसद धारा 377 में संशोधन-परिवर्तन करने का काम कर सकती थी, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। इसके बावजूद इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मोदी सरकार ने इस मसले पर अपनी राय न देकर एक तरह से यही इंगित किया था कि समलैंगिकता के अपराध न रहने से उसे हर्ज नहीं। क्या वे प्रगतिशील लोग इस पर गौर करेंगे कि ऐसे संकेत उस भाजपा की सरकार ने दिए जो उनकी निगाह में पुरातन विचारों वाली पार्टी है? 1यह सहज ही समझा जा सकता है कि यदि सुप्रीम कोर्ट ने भिन्न यौन अभिरुचि वालों को सम्मान से जीवन जीने के अधिकार के तहत समलैंगिकता को अपराध के दायरे से मुक्त करने के साथ धारा 377 को पूरी तौर पर खारिज नहीं किया तो इसके पर्याप्त कारण हैं। इस धारा के वे अंश प्रभावी बने रहने आवश्यक थे जो नाबालिगों से समलैंगिक संबंध को अपराध की श्रेणी में रखते हैं। नाबालिगों को यौन शोषण से बचाने के लिए यह सतर्कता बरतनी जरूरी थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक संबंधों को मान्यता प्रदान कर भारतीय समाज को यही संदेश दिया कि भिन्न यौन अभिरुचि वाले भी आदर और सम्मान से जीने के अधिकारी हैं, लेकिन समाज के उस हिस्से की धारणा बदलने में कुछ समय लगेगा जो अलग यौन व्यवहार वालों को अपने से इतर और अस्वाभाविक मानता चला आ रहा है। ऐसी सोच रखने वालों को यह समझना होगा कि अलग यौन व्यवहार वाले भी मनुष्य हैं और उन्हें अपनी पंसद के हिसाब से अपना जीवन जीने का अधिकार है। ऐसी स्वस्थ समझ को बल मिलना ही चाहिए।

# अधिकार से जुड़ा शब्द

दलित चेतना/ अनिल चमड़िया

**भारतीय राजनीतिक पार्टियां चूंकि हिन्दूत्व के इर्द गिर्द धूम रही हैं, इसलिए सांस्कृतिक स्तर पर सत्ता द्वारा किए जा रहे बारीक बदलाव के प्रति संवेदनशील नहीं हो सकतीं। लेकिन दलित आंदोलन के लिए बेहद जरूरी है कि सांस्कृतिक स्तर पर अपनी उपलब्धियों पर हमले के प्रति संवेदनशीलता का भी परिचय दे और दृढ़ता का भी प्रदशर्न करे। भाजपा की सत्ता ने झारखंड की राजधानी रांची में बिरसा मुंडा की चौराहे पर लगी प्रतिमा को बदल दिया। बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश हुकूमत को इसलिए हिलाकर रख दिया था कि वह आदिवासियों के संसाधनों को अपने कब्जे में ले रही थी। उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत को बराबरी की टक्कर दी। ब्रिटिश से सत्ता हस्तानांतरित होने के बाद बिरसा मुंडा की प्रतिमाएं लगाई गई और उन्हें बेड़ियों से जकड़ी अवस्था में दिखाया गया।**

मिडिया पर कई शोध हुए हैं, जिनमें तय सामने आया है कि मीड़िया में सरकारी शब्दों और भाषा का चलन लगातार बढ़ा है। दलित शब्द का इस्तेमाल न करने का सुझाव मीडिया में सरकारी दखल का विस्तार है। समाज की तमाम गतिविधियों को चलाने के लिए विभिन्न संस्थाएं होती हैं। हर संस्था अपने चरित्र के अनुसार अपनी भाषा व शब्दावलियां तैयार करती है। दलित शब्द सरकार का हो ही नहीं सकता। यह राजनीतिक चेतना से लैस अर्थो वाला शब्द है। ब्रिटिश सत्ता के विरोध में जब आंदोलन चल रहा था, तो इस शब्द का इस्तेमाल कांग्रेस करने लगी थी। महात्मा गांधी ने अछूत शुद्रों के लिए नया शब्द हरिजन तैयार किया था, लेकिन डॉ. अंबेडकर का भारतीय राजनीति पर इतना गहरा प्रभाव हुआ कि कांग्रेस अछूत की जगह दलित शब्द का इस्तेमाल करने को बाध्य हुई। पार्टी के अध्यक्ष पट्टाभि सीतारमैया द्वारा लिखित कांग्रेस का इतिहास 1935 में छप कर आया तो उसमें दलित शब्द की भरमार थी। इस पुस्तक के परिशिष्ट 9-10 में दलित जातियां शीर्षक से सुरक्षित निर्वाचन के संबंध में कांग्रेस ने अपनी राय जताई है। यहां तक कि दलित जातियों की स्थिति शीर्षक से एक अन्य स्पष्टीकरण में कांग्रेस ने स्त्रियों का भी उल्लेख किया है। पहली बात कि सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था में पिसने वाले हरेक को दलित के व्यापक अर्थो में लिया जाता रहा है। शुद्र वे भी कहे जाते थे जिन्हें सरकारी शब्दावली में पिछड़ा कहा जाने लगा है। शब्दों में गति होती है, और उनका अर्थ सिमटता भी है, और विस्तृत भी होता है। दलित शब्द एक अर्थ में सिमटा तो दूसरे स्तर पर उसका विस्तार भी हुआ है। मसलन, दलित से अर्थ उन जातियों के समूह से लगाया जाने लगा है, जिन्हें सरकारी दस्तावेज में अनुसूचित जाति माना गया है, और उसका विस्तार इस रूप में है कि उसमें अधिकार का बोध और भविष्य के प्रति सामूहिक चेतना की गति जुड़ी है। महात्मा गांधी ने जब शुद्रों में अछूतों के लिए हरिजन शब्द का इस्तेमाल किया तो वह हिन्दू पौराणिक कथाओं से प्रेरित भावना थी, जिसमें सबरी के बेर खाने के मिथक को राम की महानता के रूप में स्थापित करने की कोशिश की गई। गांधी हरिजन शब्द के जरिए डॉ. अंबेडकर के दलितों को सहानुभूति के दायरे में बांधने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ आंदोलन और संविधान लागू होने के बाद अपने अधिकारों का बोध और स्वतंत्रता की चेतना का जो विस्फोट हुआ वह दलित के जरिए ही अपना विस्तार कर सकता था। आज चेतना के नये तेवर और आकांक्षाओं को संबोधित यही शब्द कर सकता है। जिस राजनीतिक दिशा में लोगों को ले जाना होता है, उसका रास्ता शब्दों से ही बना होता है। अध्ययन करें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने दलित शब्द का इस्तेमाल करना कब से शुरू किया? उसका जोर वंचित शब्द पर होता है, तो इसके क्या निहितार्थ हैं? वंचित अधिकार बोध और चेतना को संबोधित नहीं करता। जैसे कि भाजपा झारखंड की जगह वनांचल नाम देना चाहती थी। इसलिए समझना मुश्किल नहीं है कि किसी शब्द के इस्तेमाल पर रोक की जरूरत किस तरह की राजनीति को होती है। शब्द राजनीतिक युद्ध के सबसे महत्त्वपूर्ण औजार होते हैं। इनको बदल दिया जाता है, या अपने अर्थो के अनुकूल ढाल देने की कोशिश की जाती है। लेकिन कोई आंदोलन अपने शब्दों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं होता है, तो शब्दों को सत्ता दूसरे तरह से अपने अर्थो में ढालने की कोशिश करती है। उत्तराखंड को जब आंदोलनकारियों ने नहीं छोड़ा तो उत्तराखंड के भीतर समाहित अर्थो को ही उत्तरांचल में तब्दील करने प्रक्रिया देखी गई। शब्द उनके लिए बेहद महत्त्वपूर्ण होते हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी के लिए सत्ता की नींव को मजबूत करना चाहते हैं। इसलिए ऐसी राजनीतिक संस्कृति के पक्षधर चिह्नों, प्रतीकों, रंगों आदि जैसी चीजों पर सबसे ज्यादा अपनी ऊर्जा खर्च करते हैं, और युद्ध भी लड़ने को तैयार होते हैं। दलित शब्द का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह को झटपट मानकर केंद्र सरकार द्वारा परिपत्र जारी करने की घटना आश्चयजनक नहीं है। यह न्यायालय के प्रति आज्ञाकारिता का उदाहरण नहीं है, बल्कि अपनी राजनीतिक अनुकूलता लागू करने की तत्परता है। न्यायालय से पहले सामाजिक न्याय मंत्रालय भी इस तरह का परिपत्र जारी कर चुका है। भारतीय राजनीतिक पार्टियां चूंकि हिन्दूत्व के इर्द गिर्द धूम रही हैं, इसलिए सांस्कृतिक स्तर पर सत्ता द्वारा किए जा रहे बारीक बदलाव के प्रति संवेदनशील नहीं हो सकतीं। लेकिन दलित आंदोलन के लिए बेहद जरूरी है कि सांस्कृतिक स्तर पर अपनी उपलब्धियों पर हमले के प्रति संवेदनशीलता का भी परिचय दे और दृढ़ता का भी प्रदशर्न करे। भाजपा की सत्ता ने झारखंड की राजधानी रांची में बिरसा मुंडा की चौराहे पर लगी प्रतिमा को बदल दिया। बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश हुकूमत को इसलिए हिलाकर रख दिया था कि वह आदिवासियों के संसाधनों को अपने कब्जे में ले रही थी। उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत को बराबरी की टक्कर दी। ब्रिटिश से सत्ता हस्तानांतरित होने के बाद बिरसा मुंडा की प्रतिमाएं लगाई गई और उन्हें बेड़ियों से जकड़ी अवस्था में दिखाया गया। लेकिन 2016 में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने निर्देश दिया कि झारखंड में बिरसा मुंडा की जितनी भी प्रतिमाएं लगी हैं, उन्हें बेड़ियों से मुक्त किया जाए क्यों कि ''जंजीरों से जकड़ी बिरसा मुंडा की प्रतिमाएं युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं।' जबकि झारखंड में युवा इस प्रतिमा से यह अर्थ लगाते हैं कि उनके लिए यह आजादी नाकाफी है, और उन्हें ये बिरसा मुंडा की तरह बलिदान के लिए प्रेरित कर सकती हैं। झारखंड में क्या ब्रिटिश सत्ता द्वारा आदिवासियों के संसाधनों पर कब्जे का जो सिलसिला चला, वह रु क पाया है?आंदोलन के शब्द, प्रतीक, चिह्न सत्ता को बेहद परेशान करते हैं। भाजपा भूख से मरने वाले हालात में शाइनिंग इंडिया के प्रचार की सकारात्मक प्रभाव डालने वाले विज्ञापन के रूप में व्याख्या करती है। लिहाजा, वह दलित शब्द और बिरसा मुंडा की बेड़ियों में जकड़ी तस्वीरों को कैसे स्वीकार कर सकती है। रही बात संवैधानिक संस्थाओं के फैसलों और निर्देशों की तो इस बारे में निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि इस वक्त न्यायाधीश फैसले सुना रहे हैं, अदालतें फैसले नहीं कर रही हैं। इसका अर्थ होता है कि गैर-बराबरी वाली सामाजिक सत्ता समानता की पक्षधर संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल कर रही है। सामाजिक सत्ता, जिसे संविधान की भावनाओं के जरिए बराबरी के स्तर पर लाना था, की लड़ाई संवैधानिक सत्ता के साथ अभी भी जारी है। यही कारण है जो ऐसे फैसलों के खिलाफ लोगों को संघर्ष के लिए उतरना पड़ता है।

# निश्चिन्तता लाएँ, आनंद पाएँ

– डॉ. दीपक आचार्य

***जीवन में आनंद की प्राप्ति के लिए निश्चिन्तता का होना जरूरी है। आजकल हर तरफ अनिश्चितता का माहौल है और इस वजह से कोई भी यह कह पाने की स्थिति में नहीं है वह चिन्ताओं से मुक्त है। हर कोई किसी न किसी चिन्ता से ग्रस्त है। और कोई किसी कारण से चिन्ता का अनुभव नहीं कर पा सकने की स्थिति में आ गया हो तो उसके लिए बहुत से नुगरों और नालायकों की भीड़ है जो तरह-तरह के झण्डों, परिधानों और बैनरों के साथ जहां-तहां जमा रहती है या फिर तमाम बाड़ों और परिसरों में भ्रमण करती रहती है।***

जब तक कामों का बोझ सर पर होता है, तब तक कोई भी इंसान निश्चिन्त नहीं हो सकता। और जो व्यक्ति निश्चिन्त न हो, वह आनंद को कभी प्राप्त नहीं कर सकता क्योंकि चिन्ताओं का कुचालक आवरण उसके चारों ओर इस कदर लपेटा हुआ रहता है कि वह न भीतरी आनंद को प्राप्त कर सकता है, न बाहरी आनन्द का अनुभव कर सकता है। इस मामले में इंसान के लिए जिन्दगी भर दो धाराएं काम करती हैं। एक धारा बुनियादी तत्वों से भरपूर है जहाँ रोजमर्रा के नित्य और करणीय कार्यों का रूटीन है जो घर से लेकर कार्यस्थलों तक में व्याप्त है और जीवन के हरेक पहलू को प्रभावित करता है। दूसरी धाराएं अनुरंजन प्रधान हैं जहां मौज-मस्ती और जीवनानन्द का असीमित पसरा हुआ आकाश है जिसका न कोई ओर-छोर है, न कोई इसकी सीमाओं को छू सका है। जितना अधिक छूने की कोशिश करो, आगे ही आगे बढ़ती चली जाए, कुछ हाथ न आए। आधारभूत जीवन और मौज मस्ती वाला जीवन हर इंसान के लिए इच्छित होता है। लेकिन मौज मस्ती और मनोरंजन का आनंद वे ही प्राप्त कर सकते हैं जो कि जीवन के आधारभूत कारकों के प्रति निष्ठावान, समर्पित और श्रद्धालु बने रहते हैं। अधिकांश लोगों की जिन्दगी में यह सारे समीकरण इतने अधिक गड़बड़ा जाते हैं कि जिनका कोई हल नहीं निकल पाता। कोई अपने कर्म ही कर्म में भिड़े हुए हैं तो कोई मनोरंजन, मौज-मस्ती और धींगामस्ती में ही। कर्म जहां पहले होते हैं वहाँ निश्चिन्तता अपने आप आ जाती है। कर्मशील लोग दूसरों के मुकाबले सबसे ज्यादा निश्चिन्तता का आनंद प्राप्त करते हैं। क्योंकि उनके पास कर्म पूर्णता के बाद और कुछ ऐसा बचता ही नहीं है जो कि चिन्ता देने वाला हो। इससे तनाव भी इन्हें छू तक नहीं सकता। जब किसी भी प्रकार का दबाव या बोझ नहीं होगा तब मन-मस्तिष्क और शरीर आनंद को पाने के लिए हर क्षण तत्पर रहेगा और जितना अधिक आनंद पाने की स्थिति में होगा, उतना आनंद पाता रहेगा। यह निश्चिन्तता लाना सामान्य लोगों के बस में नहीं है लेकिन असंभव भी नहीं। जो इंसान इस निश्चिन्तता को पा जाते हैं वे निहाल हो जाते हैं और जीवन में सफलता पाने के सभी गुर सीख जाते हैं। इन लोगों को किसी पर आश्रित रहने की कोई जरूरत नहीं पड़ती बल्कि वे आनंद की प्राप्ति के मामले में हर दृष्टि से आत्मनिर्भरता पा लिया करते हैं। एक बार जो आनंद पा लेता है वह जिन्दगी भर आनंद से दूर नहीं रह सकता। न ही आनंद उसे छोड़ पाता है। और जो इंसान आत्म आनन्दित होते हैं उनके भीतर से हमेशा आनंद का अजस्र दरिया उमड़ता रहता है। जो इन लोगों के सम्पर्क में आता है वह आनंदित हुए बगैर नहीं रह सकता। बल्कि जो इनसे आनंद का आभास करता है वह जिन्दगी भर इन्हें भुला नहीं पाता। सभी प्रकार के आनंद को पाने के लिए एकमात्र शर्त यही है कि हम सभी प्रकार के लंबित कर्मों से मुक्त रहें। हमारे दिमाग में कोई सा ऐसा विचार नहीं रहे जिसमें किसी काम के अधूरे होने की बात हो। जहां कहीं कोई सा काम अधूरा या लंबित पड़ा होगा वहाँ हर प्रकार से निश्चिन्तता का अभाव होगा और इस वजह से तनावों की अविराम श्रृंखला चलती रहेगी, इन तनावों से मानसिक और शारीरिक अवसाद पैदा होंगे, इनसे बीमारियों का जन्म होगा और इसके बाद वह सब कुछ भी होने लगेगा जो कि एक स्वस्थ और सामान्य इंसान कभी नहीं चाहता। जीवन में आनंद की प्राप्ति के लिए निश्चिन्तता का होना जरूरी है। आजकल हर तरफ अनिश्चितता का माहौल है और इस वजह से कोई भी यह कह पाने की स्थिति में नहीं है वह चिन्ताओं से मुक्त है। हर कोई किसी न किसी चिन्ता से ग्रस्त है। और कोई किसी कारण से चिन्ता का अनुभव नहीं कर पा सकने की स्थिति में आ गया हो तो उसके लिए बहुत से नुगरों और नालायकों की भीड़ है जो तरह-तरह के झण्डों, परिधानों और बैनरों के साथ जहां-तहां जमा रहती है या फिर तमाम बाड़ों और परिसरों में भ्रमण करती रहती है। निश्चिन्तता लाने के लिए अपनी कार्यशैली, स्वभाव और व्यवहार में परिवर्तन लाने की जरूरत है और इसके बगैर निश्चिन्तता लाना संभव नहीं हो पाता। जीवनानंद के लिए निश्चिन्तता लानी जरूरी है।

## आज का राशीफल

**मेष** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

**वृषभ** आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

**मिथुन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

**कर्क** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

**सिंह** पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

**कन्या** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**तुला** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

**वृश्चिक** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**धनु** संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

**मकर** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

**कुम्भ** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

**मीन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

विचार मंथन

## क्या कश्मीर में कामयाब होगी पंजाब की रणनीति

विनोद शर्मा

अभी चंद दिनों पहले गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने दावा किया था कि कश्मीर में पुलिसकर्मियों के अगवा परिजनों को सुरक्षा बलों के दबाव में आतंकियों को आजाद करना पड़ा। उनका कहना था कि 'जिस तरह के हमारे पुलिसकर्मियों के परिजनों का अपहरण किया गया था... आपने सुना ही होगा कि हमारी फौज ने ऐसा दबाव बनाया कि उन्हें सभी को रिहा करना पड़ा।' यह बात सच हो सकती है। मगर खबरों के मुताबिक इसमें उस जवाबी रणनीति का भी हाथ है, जिसकी पहल नए राज्यपाल सतपाल मलिक के दफ्तर से हुई। पुलिसकर्मियों के परिजन क्या इसलिए नहीं छोड़े गए कि आतंकियों के परिवार वालों को पुलिस ने उठा लिया था? यह संकट तब पैदा हुआ था, जब एन एन वोहरा के उत्तराधिकारी के रूप में मलिक ने राजभवन की कुरसी संभाली ही थी। यह शायद उनकी सियासी चतुराई थी कि गंभीर हालात को वह ऐसे मोड़ पर ले गए, जहां वर्जनाओं का कोई मतलब नहीं था। यह सब कुछ राज्यपाल के 31 अगस्त को हिन्दुस्तान टाइम्स को दिए गए इंटरव्यू के चंद घंटों के भीतर किया गया, जिसमें उन्होंने इसकी पुष्टि की थी कि उनका प्रशासन संविधान के अनुच्छेद 35 ए पर सुनवाई टालने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील करने वाला है। मलिक की पहली राजनीतिक चुनौती स्वाभाविक रूप से घाटी की सड़कों पर शांति बहाली थी, जो 1954 के प्रावधान को चुनौती देने वाली याचिका के विरोध में प्रदर्शनों से उबली जा रही थीं। यह अनुच्छेद दरअसल, जम्मू-कश्मीर की विधायिका को यह पूर्ण-अधिकार देता है कि वह राज्य के मूल निवासियों को परिभाषित करे और नौकरियों व संपत्ति के स्वामित्व के मामले में विशेषाधिकार रखे। गवर्नर के शब्द थे, 'एक चुनी हुई सरकार ही लोगों के विचार अभिव्यक्त कर सकती है'। बहरहाल, एक अधिकारी का कहना था कि पुलिसकर्मियों के परिजनों का जिस तरह से अपहरण किया गया, उसने पुलिस और आतंकियों के बीच के उस अघोषित समझौते को तोड़ दिया था, जिसमें परिवार वालों को संघर्ष से बाहर रखने की बात थी। दुनिया भर के आतंकियों और विद्रोहियों की रणनीति यही है कि सुरक्षा बलों के सामने स्थानीय लोगों को खड़ा किया जाए। इसका उद्देश्य अपराधी और कानून के रखवाले के अंतर को खत्म करना होता है। यहां यह मायने नहीं रखता कि इसे किसने शुरू किया, क्योंकि जीत चाहे जिसे मिली हो, हिरासत में लेने और अगवा करने के इस सिलसिले ने लगभग तीन दशक पुराने उस अलिखित समझौते को तोड़ दिया, जो जंग में शामिल पक्षों के घर वालों को अंतहीन संघर्ष में भी बचाता रहा। कश्मीर घाटी में पुलिस-प्रशासन को आतंकवाद-विरोधी अपनी कार्रवाइयों और अपराध व हिंसा से आम लोगों की सुरक्षा के मूल दायित्वों के निर्वहन के बीच एक संतुलन साधना होता है। लेकिन फिलहाल यह संतुलन नहीं दिख रहा। जिस तरह से वे मुठभेड़ों और खुफिया तंत्रों की सफलता को प्रचारित करते हैं, वे अक्सर उनके स्थानीय सूत्रों के लिए घातक साबित होते हैं।

उचित वक्त पर भय दिखाना जरूरी है, मगर पुलिस मानवाधिकारों की कीमत पर लोगों का समर्थन जुटाने की रणनीति नहीं बना सकती। राज्यपाल के सामने फिलहाल एक बेहद मुश्किल कार्य है। घाटी में अभी आतंकियों की संख्या लगभग 300 है, लेकिन स्थिति उतनी ही गंभीर है, जितनी यह 1990 के दशक के शुरुआती वर्षों में थी। उस समय, आतंकियों की संख्या को लेकर सशस्त्र बलों का दावा हजारों में होता था, जिन्हें सीमा पार पाकिस्तान से समर्थन मिलता था। विद्रोह को मिलता स्थानीय समर्थन और इसमें स्थानीय नौजवानों की बढ़ती सहभागिता को पुलिस द्वारा 'पकड़ो और मारो' की रणनीति से कम नहीं किया जा सकता। यहां तक कि सेना और अन्य वर्दीधारी बलों को भी कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए। यही एकमात्र तरीका है, जो स्थानीय नौजवानों को संगठित करने की आतंकियों की रणनीति की काट हो सकता है। मगर यह छवि तभी बन सकती है, जब वहां एक ऐसी पुलिस हो, जो आतंकियों से मोर्चा तो लेती हो, मगर बेगुनाहों को भी परेशान नहीं होने देती हो।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

## संक्षिप्त

### बाबा गंगागिरी महाराज का निधन

**फैजाबाद,** सत्संगघाट के बाबा गंगागिरी महाराज का लखनऊ में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह लगभग (८७) के थे। उनके निधन की सूचना पर शोक की लहर दौड़ गई। बीते 17 अगस्त की सुबह लगभग पांच बजे मंदिर व घाट की सफाई करते समय नल के निकट गिर जाने से बाबा के सिर में गंभीर चोटें आई और वह कोमा में चले गए थे। लोगों ने आनन-फानन उन्हें लखनऊ पहुंचाया। इलाज के दौरान बुधवार को बाबा गंगागिरी का निधन हो गया। वह मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे। लगभग 47 वर्ष से सत्संगघाट पर रह रहे थे।

### आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत

**प्रतापगढ़,** जिला मुख्यालय से पचास किलोमीटर दूर थाना बाघराय अंतर्गत फूलपुर मौरी गाँव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक भाई की मौत हो गयी, जबकि की दूसरा गम्भीर रूप से झुलस गया। थाना प्रभारी तथा पुलिस निरीक्षक इंद्रदेव ने बताया कि फूलपुर मौरी गाँव के काशी प्रसाद के बेटे राकेश कुमार(15) और प्रदीप (14) गुरुवार की शाम मवेशी चरा कर वापस आ रहे थे। इसी दौरान तलाब के निकट आकाशीय बिजली गिरने की चपेट में आने से राकेश की मौके पर मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि हादसे में दूसरा भाई झुलस गया है, जिसका उपचार एक निजी चिकित्सालय कराया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

### थानाध्यक्ष को पुत्री शोक

**रतनपुरा (मऊ),** स्थानीय कस्बे में एससी ,एसटी एक्ट के विरुद्ध चलाए जा रहे आंदोलन के दौरान पूरा पुलिस महकमा शोक में डूब गया। आंदोलन के दौरान ही थानाध्यक्ष हलधरपुर विनय कुमार सिंह के मोबाइल पर उनके घर से फोन आया कि उनकी घायल (१२) बालिका की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। इतना सुनते ही थानाध्यक्ष श्री सिंह फफक-फफक कर रोने लगे। चौकी प्रभारी सच्चिदानंद यादव सहित महकमे के अन्य सिपाहियों ने उन्हें ढांढस बंधाया और तत्काल अस्पताल पहुंचने की सलाह दी। थानाध्यक्ष विनय कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक को सूचना देने के बाद अस्पताल रवाना हो गए। इतना ही नहीं आंदोलन कर रहे आंदोलनकारियों ने भी इस दुख भरी खबर को जानने के बाद अपना आंदोलन भी स्थगित कर दिया।

### स्नान करते समय युवक नदी में डूबा

**जंगीपुर (गाजीपुर),** अरखपुर गांव के दक्षिणी छोर पर बेसो नदी में स्नान करते समय युवक धीरेंद्र कुमार (२०) डूब गया। इसकी जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई लेकिन कामयाबी नहीं मिली। अरखपुर गांव निवासी धीरेंद्र कुमार अपने साथियों के साथ शाम को स्नान करने गए। वे काफी देर तक स्नान करते रहे। इसी बीच गहराई में जाने से धीरेंद्र डूबने लगे। यह देख साथी सोनू व अन्य लोगों से मदद की गुहार लगाने लगे। जब तक लोग मौके पर पहुंचते धीरेंद्र नदी में समा गया। थानाध्यक्ष संजय वर्मा ने बताया कि गोताखोरों को लगाया गया है। अभी युवक का पता नहीं चल सका है। बेटे की मौत के बाद मां सावित्री देवी व पिता रामभजन राम का रो-रोकर बुरा हाल था।

### करंट से अधेड़ की मौत

**लालानगर (भदोही),** गोपीगंज थाना क्षेत्र के बेरासपुर गांव में करंट की चपेट में आ जाने से अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। मौत से परिजनों में कोहराम मचा रहा। गांव निवासी लालजी सरोज (४५) मछली पालन किया है। लगातार हुई बारिश से गड्ढा भर गया था गड्ढे का पानी कम करने के लिए टुल्लू पंप लगाकर पानी निकाल रहे थे। इस दौरान करंट लग जाने से अचेत हो गए। परिवार के लोग इलाज के लिए गोपीगंज स्थित निजी चिकित्सालय व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। हालत अत्यधिक नाजुक होने पर चिकित्सकों ने अन्यत्र ले जाने की सलाह दी। जहां लालजी ने दम तोड़ दिया।

### बद्रीनाथ में मईल क्षेत्र के दर्जनभर लोग फंसे

**देवरिया,** मईल क्षेत्र से बद्रीनाथधाम जा रहे करीब एक दर्जन यात्री तीन दिन से बद्रीनाथ से पहले रामनगर के पास फंसे हुए हैं। यात्रियों ने मोबाइल पर अपने परिजनों को सूचना दी कि रामनगर के पास पहाड़ टूटकर गिर जाने के चलते करीब हजारों की संख्या में श्रद्धालु सड़क के दोनों तरफ फंसे हुए हैं। सुनसान स्थान पर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। यहां पर उनके लिए भोजन, पानी की भी समुचित व्यवस्था नहीं है, जिसके चलते वे परेशान हैं। भागलपुर ब्लाक के धरमेर महलिया गांव निवासी प्रमोद कुशवाहा ने मोबाइल पर बताया कि बद्रीनाथ से करीब 30 किमी पहले रामनगर के पास काफी संख्या में पहाड़ अचानक टूट कर गिर गया। इससे पूरी यातायात व्यवस्था बाधित हो गई है। जिस वाहन में ये लोग फंसे हैं उनमें मईल, पनिका गांव के रामा सेठ, तारकेश्वर, रामजी चौधरी, भोला चौधरी, गौतम आदि लोग शामिल हैं।

### सर्प दंश से वृद्ध की मौत

**बस्ती,** कलवारी थाना क्षेत्र के राजपुर बैरिहवा निवासी (६५) वृद्ध की राज नारायन शुक्ल सर्प दंश से कल रात इलाज के दौरान मौत हो गई । रात आठ बजे राज नारायन पुत्र राम आधार अपने खेत से छुट्टा पशुओं को भगाकर लौट थे। घर के पास रास्ते में सांप ने पैर में डंस लिया। परिजन तत्काल जिला चिकित्सालय ले गए लेकिन जान नहीं बच सकी।

### छात्रा को पिकअप ने रौंदा

**महराजगंज,** पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के समरधीरा चौराहे के पास शाहपुर जंगल निवासी पप्पू गौतम की (१३) पुत्री नीतू स्कूल पढ़ने जा रही थी, कि तेज गति से जा रहे पिकअप ने रौंद दिया, जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। उक्त गांव निवासी नीतू प्रतिदिन की तरह विद्यालय में पढ़ने जा रही थी। अभी वह समरधीरा चौराहे से पहले बगीचे के सामने पहुंची ही थी, कि महदेवा के तरफ से जा रही पिकअप ने उसे सामने से रौंद दिया। वाहन चालक को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को सूचना दिया। घटना की सूचना पाकर 100 नंबर की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पिकअप और ड्राइवर को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर थाने आई। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस बावत थाना प्रभारी श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि पिकअप व ड्राइवर को कब्जे में ले लिया गया है।

# सूबे के राज्यमंत्री की जन सुनवाई में आधा घंटे बिजली रही गुल

**वाराणसी,** सूबे के राज्य मंत्री डा. नीलकंठ तिवारी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री के रविंद्रपुरी स्थित संसदीय कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान व्यक्तिगत समेत सार्वजनिक समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जनसुनवाई में अधिकतर मामले सीवर के आए थे। इस दौरान कुछ लोगों ने नगर को जाम व अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए भी नीलकंठ तिवारी से मांग की। इस मौके पर ग्राम रोजगार सेवक संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष अतुल कुमार सिंह व महामंत्री सत्य प्रकाश सिंह ने मुख्यमंत्री को संबोधित आवेदन में ग्राम रोजगार सेवकों के जाब कार्ड में अन्य कायरें को जोड़ने की मांग की। साथ ही उन्हें सहसचिव व ग्राम्य विकास सहायक का दर्जा देने की गुहार लगाई। बिडंबना यह रही की जिस समय नीलकंठ तिवारी जनसुनवाई कर रहे थे उस वक्त नगर में अनवरत बिजली आपूर्ति के दावे की पोल भी खुल गई। जन सुनवाई के दौरान ही लगभग



आधी घंटे तक बिजली गुल रही। लोग पसीना पोंछते नजर आए। बिजली की अनापूर्ति के संदर्भ में सूबे के राज्यमंत्री नीलकंठ तिवारी ने कहा कि बिजली की लोकल फाल्ट पर विचार किया जा रहा है। बनारस की बिजली व्यवस्था काफी पुरानी है। इसे चुस्त -दुरुस्त करने के लिए एमडी पूर्वांचल विद्युत निगम व प्रदेश के प्रमुख सचिव ऊर्जा आलोक कुमार से लगातार बातचीत चल रही है। जल्द ही इसे दूर कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर में कई स्थानों पर मुख्य सड़क समेत गलियों में हैरिटेज व स्ट्रीट लाइट नहीं जल रही है। इसे मैंने स्वतः संज्ञान में लिया है। नगर आयुक्त को तत्काल इसे ठीक कराने का निर्देश दिया है। उधर जनसुनवाई में महेशनगर कालोनी के लोग आए थे। उन्होंने बताया कि महेशनगर कालोनी में सड़क व सीवर नहीं है। नगर निगम क्षेत्र में नहीं आता है। जबकि सामने घाट रोड पर है। इससे नागरिकों को बहुत परेशानी हो रही है। इस पर संज्ञान लेते हुए नीलकंठ तिवारी ने कहा कि ऐसी कालोनियों को लैंड यूज में बदलने के लिए सामान्य कार्रवाई हो रही है। इसके तहत इन कालोनियों में विकास कार्य वाराणसी विकास प्राधिकरण करेगा।

# कभी नहीं टूटेगा बुआ व भतीजे का गठबंधन-अयोध्या प्रसाद पाल

**ओबरा (सोनभद्र),** ये बुआ और भतीजे का गठबंधन है। इस देश में बुआ अपने भतीजे से बहुत प्रेम करती है। इसलिए समाजवाद पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का गठबंधन कभी टूटेगा नहीं। यह गठबंधन प्रदेश के साथ देश में काफी ऊंचाई पर जाएगा। यह बात सपा नेता व पूर्व मंत्री अयोध्या प्रसाद पाल ने स्थानीय वीआईपी गेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर जनपद में पिछड़े और अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों को पार्टी से जोड़ने के मिशन पर आए हैं। श्री पाल ने कहा कि सपा और बसपा के गठबंधन से इस बार वाराणसी से भी भाजपा का सफाया होगा। समाजवादी पार्टी सदैव पिछड़े और अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विकास के लिए कार्य किया। अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्वकाल की तमाम योजनाओं को लोग आज भी याद करते हैं। वहीं बसपा सुप्रीमो



के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि गुंडाराज की समाप्ति उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि रही। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष विजय यादव, रमेश सिंह यादव, नगर अध्यक्ष रामवृक्ष यादव भी मौजूद रहे। पिछड़ों का होगा विकास रेणुकापार के अगोरी में समाजवादी पार्टी से पिछड़ों और अनुसूचित जाति जनजाति को जोड़ने के लिए सभा का आयोजन किया गया। सभा का शुभारंभ अयोध्या प्रसाद पाल ने किया। श्री पाल ने कहा कि सदियों से पिछड़े समाज का भविष्य समाजवादी पार्टी में सुरक्षित है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष विजय यादव, पूर्व विधायक रूबी प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष संजय यादव, रवि गोंड़ बड़कू, राम सजीवन यादव, रामवृक्ष यादव, रमेश सिंह यादव, भोला निषाद, पप्पू कोल, रूपशाह बैगा, बद्री गोंड़, राजकुमार यादव, बचाऊ यादव एवम उरेंद्र पाल सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

# पूर्व सांसद धनंजय सिंह बयान दर्ज कराने खेकड़ा थाना पहुंचे

**जौनपुर,** पूर्वांचल के माफिया डान मुन्ना बजरंगी की हत्या के मामले में जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह बयान दर्ज कराने के लिए गुरुवार रात खेकड़ा थाने में लग्जरी गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंचे। सीओ वंदना शर्मा ने अपने कार्यालय में विवेचक एसपी सिंह के साथ उनके बयान दर्ज किए।



पत्रकारों से बातचीत में धनंजय सिंह ने कहा कि मुन्ना बजरंगी हत्याकांड से उनका कोई लेना-देना नहीं है। राजनीतिक साजिश के चलते उन्हें फंसाया गया है। बागपत जेल में मुन्ना बजरंगी की नौ जुलाई की सुबह हत्या होने के बाद लखनऊ से बागपत पहुंची उसकी पत्नी सीमा सिंह ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया था कि उसके पति की पूर्व सांसद धनंजय सिंह, रिटायर्ड डिप्टी एसपी जेएम सिंह, उनके बेटे प्रदीप कुमार उर्फ पीके, रिश्तेदार विकास उर्फ राजा के अलावा महराज सिंह ने राजनीतिक मित्रों व प्रशासनिक अधिकारियों का सहयोग लेकर अपराधियों से हत्या कराई है। केस के विवेचक एसपी सिंह ने उसके शिकायत पत्र को विवेचना में शामिल करते हुए इन लोगों को बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस जारी किया था। इसी क्रम में गुरुवार रात करीब आठ बजे पांच लग्जरी गाड़ियों के साथ पूर्व सांसद धनंजय सिंह खेकड़ा थाने पहुंचे। उनके साथ करीब तीस लोग थे। सीओ आफिस में सीओ वंदना शर्मा, थानाध्यक्ष एवं केस के विवेचक एसपी सिंह ने उनके बयान दर्ज किए। इस दौरान उनके साथ आए लोग थाना परिसर में मौजूद रहे। बयान दर्ज कराने के बाद रात करीब साढ़े नौ बजे धनंजय सिंह अपने काफिले के साथ सीओ आफिस से चले गए। बयान के संबंध में पुलिस अधिकारी कोई भी जानकारी देने से इंकार करते रहे। गौरतलब है कि बुधवार को वाराणसी से विकास उर्फ राजा बयान दर्ज कराने के लिए खेकड़ा थाने पहुंचा था। जो रिटायर्ड डिप्टी एसपी जेएम सिंह का रिश्तेदार है और उनके कामकाज देखता है।

## तेंदुए के आतंक से ग्रामीण भयभीत

**बलरामपुर,** सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग के मदरहवा गांव में बीते तीन दिनों से तेंदुए के आतंक से ग्रामीण भयभीत हैं। तीन दिन में तेंदुआ तीन कुत्तों को निवाला बना चुका है। रात में तेंदुए के शिकार के लिए पिजड़ा रखा गया। जिसमें बकरी बांधी गई, लेकिन तेंदुआ को कैद नहीं किया जा सका। पग चिन्ह के आधार पर वन कर्मी तेंदुए को उम्रदराज व खूंखार बता रहे हैं। जिससे बच्चों के सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों में खौफ पैदा हो गया है। ग्रामीण पूरी रात तीन समूह में हांका लगा रहे हैं। बावजूद इसके तेंदुआ गांव में घुसकर पशुओं का शिकार कर रहा है। रामपाल, धर्मपाल, रमेश, अनिल, राम किशुन, मदन, सुरेश, पवन मौर्य ने बताया कि करीब आठ बजे गांव के पश्चिम दिशा से तेंदुआ आया। जिसने कुत्ते को अपना निवाला बना लिया। वन क्षेत्राधिकारी रामानंद मौर्य ने बच्चों को घरों में ही रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने घरों के सामने उजाला रखने की बात कही है। ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि शीघ्र ही तेंदुए को पिजड़े में कैद कर लिया जाएगा।

# डायरिया से अधेड़ की मौत, दर्जनों बीमार

**चकिया (चंदौली)** डायरिया का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को कटवा माफी गांव निवासी गंजन 55 वर्ष की डायरिया की चपेट में आने से मौत हो गई। सुरगुजिया, रिठिया, बलिया खुर्द, सहदुल्लापुर निवासी एक दर्जन से अधिक डायरिया पीड़ित मरीजों को संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती किया गया। डायरिया के पांव पसारने से इलाके में लोग सहमे हुए हैं। इलिया क्षेत्र के कटवा माफी गांव निवासी गंजन को तीन दिन पूर्व उल्टी दस्त की शिकायत होने पर शहाबगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती किया गया। तबीयत दुरुस्त प्रतीत होने पर चिकित्सकों ने घर जाने की सलाह दे दी। घर पहुंचते ही उनकी तबीयत फिर से बिगड़ गई। परिवार के लोग परेशान हो उठे। उन्हें आनन-फानन में फिर से शहाबगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत गंभीर देख रेफर कर दिया। परिजन उन्हें चकिया संयुक्त चिकित्सालय ले आ रहे थे कि रास्ते में ही उनकीं सांसे कमजोर पड़ गईं। ऐहतियातन उन्हें चिकित्सक को दिखाया गया तो चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उतरौंत ग्राम पंचायत के सुरगुजियां गांव निवासी अख्तर देवी 60 वर्ष, विजय 25 वर्ष, पूनम 20 वर्ष, सुभावनी देवी 20 वर्ष , सहदुल्लापुर निवासी पूनम 20 वर्ष नौगढ़ के रिठिया गांव निवासी गुड़िया 15, मीरा 21, सीमा 20, शर्मिला 10, च्रकी 15 वर्ष व बलिया खुर्द की सुधा 20 वर्ष, शीला देवी 60, उमा देवी 25 वर्ष को संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती किया गया। उतरौंत के सुरगुजियां गांव में डायरिया की सूचना मिलते ही प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. सुजीत च्सह के नेतृत्व में चिकित्सकीय टीम पहुंची। डायरिया पीड़ित पूजा 17, संजू 27, अमन 13, निधि 9 वर्ष का इलाज कर आवशय्र दवाएं दी। चिकित्सकीय टीम ने बताया कि



एक ही परिवार के एक दर्जन लोग डायरिया से प्रभावित हैं। दूषित जल के सेवन से डायरिया की चपेट में परिवार के लोग आए लोगों को पानी उबालकर पीने व ताजा भोजन करने की सलाह दी गई।

## मूंगर में डायरिया से ६ और बीमार

**जयसिंहपुर (सुल्तानपुर),** तहसील क्षेत्र के मूंगर तुरकहिया गांव में हफ्तेभर के अंदर डायरिया से चार लोगों की मौत हो चुकी है। दर्जनभर लोगों का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। दो दिनों के भीतर पांच और मरीजों की हालत बिगड़ने पर उनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीते दस दिनों से जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के मूंगर तुरकहिया गांव में दर्जनों लोग उल्टी और दस्त से परेशान हैं। जिनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उल्टी-दस्त और बुखार के बाद बुधवार और गुरुवार को भी आधा दर्जन लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। जिनमें लाडली (१३) पुत्री जहांगीर, जैनम (२४) पत्नी सुग्गे, मलसर (३०) पत्नी मदन, सुचेता (१८) पुत्री मस्तफा, हसीना (४५) पत्नी बरसाती, मोनी पुत्री गुड्डू शामिल हैं। बीमारी की चपेट में आने से अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है।

## युवक ने महिला को पीटा

**संतकबीरनगर,** कोतवाल खलीलाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत खमरिया में एक महिला को एक अर्ध विक्षिप्त युवक ने सरिया से पीट कर घायल कर दिया। सावनमति पत्नी रामचरण निवासी खमरिया ने पुलिस को दी तहरीर में लिखा है खेत से अपने घर आ रही थी, कि गांव के ही दीपक (२८) पुत्र मुनारी ने पीछे से मेरे सिर पर सरिया से वार कर दिया जिससे मैं वही गिर कर बेहोश हो गई। मेरा शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और डायल 100 पुलिस को सूचना दे दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेजवाया।

# भाजपा ने तोड़ा सेक्टर पदाधिकारियों के अधिकारों का मानक

**गोरखपुर,** मिशन 2019 के फतह में कोई संशय न रह जाए, इसके लिए भाजपा तरह-तरह के प्रयोग कर रही है। यहां तक कि पद के अधिकारों का मानक तोड़कर पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने में भी नहीं हिचक रही। बूथों की मजबूती के लिए सेक्टर के जिम्मेदारों की जिम्मेदारी की नई संरचना इसकी बानगी है। नई जिम्मेदारी के मुताबिक अब सेक्टर प्रवासी, सेक्टर प्रभारी और सेक्टर संयोजक अपनी सेक्टर की जिम्मेदारियों के अलावा बूथों की मजबूती के लिए भी कार्य कर रहे हैं। सेक्टर के दायरे में आने वाले बूथों की जिम्मेदारी वह सामूहिक रूप से नहीं उठा रहे बल्कि बाकायदा तीनों पदाधिकारियों में बूथों को समान रूप से बांटा गया है। सेक्टर प्रवासी, प्रभारी और संयोजक आवंटित किए गए बूथ का प्रबंधन बूथ अध्यक्ष के साथ मिलकर खुद संभाल रहे। सिर्फ इतना ही नहीं वह अपने दायरे में आने वाली बूथ टीम के कार्यप्रणाली की मॅनिटरिंग भी कर रहे हैं। दरअसल जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही विपक्षी दलों की एकता देख भाजपा की चिंता बढ़ती जा रही है। इस चिंता को दूर करने के लिए ही मतों को सहेजने को लेकर पार्टी हाई कमान की ओर से आए दिन तरह-तरह के रणनीतिक निर्देश क्षेत्रीय और जिला पदाधिकारियों को मिल रहे हैं। सेक्टर के पदाधिकारियों को बूथ लेवल की जिम्मेदारी सौंपना भी इसी तरह का रणनीतिक निर्देश है। पार्टी पदाधिकारी इस निर्देश को बूथ फोकस अभियान का हिस्सा मानकर पालन में जुटे हुए हैं। इसके पीछे पार्टी का मकसद उन बूथों को चिन्हित कर मजबूत करना है, जिनके मतदाताओं में पार्टी की पैठ की कमी है। इसके पीछे पार्टी का मकसद बूथों को लेकर जिम्मेदारी को विस्तारित करना है, जिससे पार्टी पदाधिकारी हार का ठीकरा बूथ अध्यक्ष पर थोपकर किनारा न कस सकें। निचले लेवल में मानिटरिंग की इस व्यवस्था के तहत अब सांसद हो, विधायक हो या फिर पार्टी का उच्च पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकेगा।



**मिशन २०१९ के फतह की तैयारी**

# नाले में गिरने से युवक की मौत

**मिर्जापुर,** मिर्जापुर के कछवा स्थानीय थाना क्षेत्र के विदापुर गांव के रहने वाले सुखरन के पुत्र संजय कुमार (४०) का शुक्रवार की सुबह नाले में डूबने से मौत हो गई। संजय पेशे से खेती-किसानी करता था। प्रतिदिन की तरह काम पर निकला था और खेत की ओर जा रहा था। जिस रास्ते से वह जा रहा था वहां पर नाला खुला था। चूंकि बरसात के पानी से सड़क लबालब थी इसलिए संजय को आभास नहीं हुआ कि वहां नाला खुला हो सकता है। संजय चल ही रहा था कि अचानक उसका पैर फिसलकर नाले में गया और उसमें डूबकर उसकी मौत हो गई। जिस वक्त संजय नाले में गिरा वह चिल्लाया। उसकी आवाज सुनकर खेतों में काम करने वाले लोग उसे बचाने के लिए तेजी से भागे। किसी तरह संजय को नाले से बाहर निकाला गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने बताया उसे तैरना नहीं आता था। घटना की जानकारी पर पत्नी समेत परिजन भी मौके पर पहुंचे। संजय के घर और गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर स्थानीय पुलिस भी पहुंच गई। थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने



शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के तीन पुत्र व एक पुत्री है। उधर गांव में इस बात की भी चर्चा रही कि बरसात आने से पूर्व नालों की न तो सफाई हुई न ही खुले नालों को बंद कराया गया। खुले नाले की चपेट में आने से आज संजय की मौत हुई, कल किसी और की होगी। कब विभाग की नींद खुलेगी।

## विद्यालयों में सिसक रहीं खेल की गतिविधियां

**महराजगंज,** विश्व में पदक चाहने की हसरत और खेल को प्रोत्साहित करने की योजनाओं के बीच जिले के माध्यमिक स्कूलों में खेल के साथ किया जा रहा खिलवाड़ सोचने के विवश कर रहा है। स्कूलों में अरसा पहले खेल की जलाई गई मशाल को शीघ्र रोशनी नहीं मिली तो यह जल्द ही इतिहास के पन्नों में दर्ज होकर रह जाएगी, क्योंकि जिले के 237 मान्यता प्राप्त स्कूलों में मात्र दो दर्जन खेल शिक्षकों की तैनाती व्यवस्था के प्रति सवाल खड़े करता है। अगर इन स्कूलों में शासन स्तर पर खेल शिक्षकों की भर्ती किए जाने का निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाले दिनों में सभी शिक्षण संस्थाएं खेल शिक्षकों से विहीन हो जाएंगी। जब स्कूलों में खेल शिक्षक नहीं होगा, तो खेल का सारा सामान कोठरी में बंद होगा, ऐसे तहसील, जनपद व मंडल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं का क्या हश्र होता होगा इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

# सेवानिवृत्त लाइनमैन का शव खेत से बरामद

**आजमगढ़,** मुबारकपुर थाना क्षेत्र के मुहब्बतपुर गांव स्थित गन्ने के खेत से पुलिस ने गुरुवार की दोपहर को सेवानिवृत्त लाइनमैन



का शव बरामद किया। उसके मुंह से झाग निकलने पर ग्रामीणों ने हत्या कर शव को फेंक्के जाने की आशंका जताई है। पुलिस हृदयगति रुकने से मौत होने की बात कह रही है। जहानागंज थाना क्षेत्र के अच्चलपार गांव निवासी (७०) रामबदन यादव पुत्र जंगली यादव बिजली विभाग लाइनमैन के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायर होने के बाद से वह घर पर ही रहकर कृषि कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों का कहना है कि विकास भवन स्थित बैंक से रुपये निकालने के लिए वह भतीजे (२७) सुरेंद्र यादव के साथ बाइक पर सवार होकर गुरुवार की सुबह लगभग दस बजे निकले थे। दोपहर लगभग बारह बजे मुहब्बतपुर गांव स्थित गन्ने के खेत में एक वृद्ध का शव पड़ा देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। शव मिलने की खबर पलभर में पूरे क्षेत्र में फैल गई। देखते ही देखते मौके पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस की सूचना पर भतीजा सुरेंद्र यादव के साथ पुत्र विजय बहादुर भी मौके पर आ गया। उन्होंने शव की पहचान की। ग्रामीणों का कहना है कि रामबदन के मुंह से झाग निकल रहा था। ग्रामीणों ने जहर देकर हत्या कर शव को खेत में फेंक दिए जाने की आशंका जताई।

# पूर्व आईजी के बेटे ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली

**इलाहाबाद,** कैंट थाना क्षेत्र के म्योराबाद इलाके में रहने वाले रिटायर आईजी राम आधार के बेटे आलोक प्रकाश (४२) ने गुरुवार को दो नाली बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पेट्रोल पंप मालिक आलोक ने तीसरी मंजिल पर स्थित अपने कमरे में लाइसेंसी बंदूक से सीने में गोली मार ली। घटना से घर में कोहराम मच गया। खबर पाकर पुलिस अधिकारी पहुंच गए। आत्महत्या की वजह साफ नहीं हो सकी। घरवालों का कहना है कि किसी से झगड़ा, विवाद नहीं हुआ था। कमरे से सुसाइड भी नहीं मिला। मूल रूप से झूंसी स्थित कटका लक्षीपुर निवासी आईजी रामआधार वर्ष 2005 में रिटायर होने के बाद परिवार सहित कैंट थाना क्षेत्र के कमलानगर स्थित घर में रहने लगे। उनके चार बेटों में दूसरे नंबर के आलोक प्रकाश सोरांव के नहर ददौली स्थित पेट्रोल पंप का काम देखते थे। सुबह करीब 11 बजे आलोक मकान के तीसरे फ्लोर पर स्थित कमरे में पेट्रोल पंप पर जाने के लिए तैयार हो रहे थे। परिवार के सभी सदस्य ग्राउंड फ्लोर पर थे। इसी बीच अचानक



आलोक प्रकाश ने लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। सीने में गोली लगते ही खून से तरबतर होकर वह बिस्तर पर गिरे। गोली की आवाज सुनते ही परिजन दौड़ते हुए कमरे में पहुंचे। लहूलुहान आलोक को लेकर घरवाले बेली अस्पताल पहुंचे जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन शव लेकर एसआरएन हास्पिटल चले गए। खबर पाकर पहुंची कैंट पुलिस ने पूछताछ की लेकिन आत्महत्या की वजह साफ नहीं हो सकी।

# जिले की सड़कें जानलेवा, सरकार जुटी चुनाव में-विजय पासवान

**सिद्धार्थनगर,** जिले की सड़कें जानलेवा बनी हुई है। लेकिन सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रहा है। सरकार जनता की सेवा की बजाए लोक सभा चुनाव की तैयारी कर रही है। नतीजतन, किसान,गरीब व नौजवान परेशान है। इसका जवाब जनता आने वाले चुनाव में देगी। यह बातें गुरूवार को सपा कार्यालय पर कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक विजय पासवान ने कही। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संघर्ष के लिए तैयार रहे। देश व प्रदेश में बैठी सरकार हर मोर्चे पर विफल है। इसके लिए गांव-गांव जाकर बीती सपा सरकार की उपलब्धियां व वर्तमान सरकार की बुराईयों को लोगों तक पहुंचाएं। मंहगाई से आम आदमी दिनों दिन बोझ से



दबता जा रहा है। डीजल, पेट्रोल व रसोई गैस के दाम आसमान छू रहा है। कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। विधायक ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम चल रहा है, इसमें सपा समर्थकों व कुछ विशेष जाति व वर्ग के लोगों का नाम कटवाया जा सकता है। इसके लिए सभी को अलर्ट रहना होगा। इसके लिए हर सेक्टर में प्रभारियों के साथ-साथ विधानसभा कमेटी व जिला कमेटी से पर्यवेक्षक व पांच-पांच सहयोगी नियुक्त किया गया है। जो अपने बूथों पर छूटे व कटे हुए नामों को जोड़वाने का काम करेंगे। विधानसभा क्षेत्र के हर बूथों पर हमारी नजर रहेगी। इस दौरान जिलाध्यक्ष अजय चौधरी, अफसर रिजवी, चन्द्रजीत यादव, सरफराज भ्रमर, नागेन्द्र नाथ चतुर्वेदी, इन्द्रासना त्रिपाठी, अमून मेकरानी, अब्दुल कलाम सिद्दीकी, चन्द्रमणि यादव, सोनू यादव, हरीराम आदि कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

# कृषि क्षेत्र में आएं विद्यार्थी-पंजाब सिंह

**फैजाबाद,** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक व झांसी केंद्रीय विश्वविद्यालय के चांसलर डा. पंजाब सिंह ने युवाओं से खेती को पेशे के तौर पर अपनाने का आह्वान किया। नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहाकि विवि में मिले ज्ञान के साथ विद्यार्थी कृषि क्षेत्र के परिदृश्य को बदल सकते हैं। उन्होंने कहाकि छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों के लिए पशुपालन बेहतर अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहाकि भारतीय कृषि को और तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए न्यूनतम ईंधन से संचालित होने वाले उपकरणों की आवश्यकता है। ऐसे में सौर ऊर्जा व अन्य वैकल्पिक ऊर्जा के स्त्रोत को बढ़ावा देने की जरूरत है। कीड़े और बीमारियां फसलों का दस प्रतिशत से ज्यादा नुकसान का कारण बनती हैं। लोग बनाते हैं अच्छी संस्था : डाक्टर आफ साइंस की मानद उपाधि से नवाजे गए पंतनगर कृषि विवि के पूर्व कुलपति प्रो. प्रेमलाल गौतम ने कहाकि संस्थाएं सिर्फ ईंट-पत्थर से नहीं, बल्कि वहां के लोग बनाते



हैं। अच्छे शिक्षक और अच्छे शोधकर्ताओं से विवि की पहचान होती है। उपलब्धियां संस्था के स्वस्थ होने का संदेश देती है। समारोह में कुलपति प्रो. जेएस संधू ने राज्यपाल रामनाईक, मुख्य अतिथि डा. पंजाब सिंह व डा. प्रेमलाल गौतम को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। समारोह का संचालन विवि के कुलसचिव डा. पीके सिंह व डा. सीताराम मिश्र ने किया।

## फूड इंस्पेक्टर ने दर्जनों दुकानों पर मारा छापा

**सरायअकिल (कौशाबी),** चायल तहसील क्षेत्र में मिलावटी खाद्य पदार्थों की ब्रिकी रोकने को लेकर गुरुवार को फूड इंस्पेक्टर ने दर्जनों दुकानों में छापामार कर खराब खाद्य पदार्थ को नष्ट करवाया। आधा दर्जन दुकानदारों को नोटिस देकर चेतावनी दी गई कि दुबारा खराब खाद्य पदार्थ प्रयोग करते पाया गया तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। फूड इंस्पेक्टर सेफाली रस्तोगी ने गुरुवार को कस्बे के फकीराबाद में संदीप केसरवानी की किराना दुकान में बिना लेबलिंग और डेट आफ पैकिंग के समान को पकड़ा, लाल चंद्र की किराने की दुकानों में एक्सपायर सामान मिला, अशोक कुमार गुप्ता की प्रख्यात नारायण स्वीट्स के कारखाने में गंदगी का अंबार पाया। समोसे के लिए कई दिनों के बासी आलू फ्रीजर में रखे मिले, खाद्य पदार्थों में सस्ती क्वालिटी का नारियल बुरादा इस्तेमाल किया जा रहा था।

# किसानों के लिए धरने पर कांग्रेस

## सूरत में शुरू किया 24 घंटे का प्रतीक उपवास

सूरत. सूरत समेत देशभर में किसानों की खराब हालत के लिए केंद्र सरकार की नीतियों को जिम्मेदार बताते हुए शहर कांग्रेस इकाई ने शुक्रवार को 24 घंटे का प्रतीक उपवास शुरू किया। पूर्व प्रदेश प्रमुख अर्जुन मोढवडिया के नेतृत्व में शहर कांग्रेस कार्यकर्ता गांधी प्रतिमा के समक्ष एकत्र हुए और धरना प्रदर्शन शुरू किया। इस दौरान उन्होंने किसानों की कर्ज माफी समेत विभिन्न मुददों पर अपनी बात रखी और केंद्र सरकार से किसान हित में निर्णय लेने की मांग की। कांग्रेस ने किसानों का कर्ज माफ करने और राज्य सरकार पर लोकतंत्र विरोधी होने का आरोप लगाया है। पार्टी कार्यकर्ता पूर्व प्रदेश प्रमुख अर्जुन मोढवडिया व शहर कांग्रेस प्रमुख बाबू रायका के नेतृत्व में सुबह 11 बजे गांधी प्रतिमा के समक्ष एकत्र हुए। किसानों की दुर्दशा के लिए केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों को जिम्मेदार बताते हुए सरकार को संवेदनशील होने की सीख दी।

वक्ताओं ने संबोधन में केंद्र व राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कृषि विरोधी नीतियों के कारण किसान आत्महत्या कर रहे हैं। उन्हें फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा है। बीज और कृषि यंत्रों व खेती-किसानी से जुड़ी चीजों पर कर की मार किसान की कमर तोड़ रही है। सरकार ने खाद को भी उनकी पहुंच से दूर कर दिया है। डीजल के दामों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसका असर सिंचाई व जुताई पर भी पड़ रहा है।

धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं ने किसानों का कर्ज माफ कर आत्महत्या से बचाने की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया गया है कि अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन करने वालों के अधिकारों का लगातार हनन किया जा रहा है।

साथ ही राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं के निजीकरण का आरोप भी लगाया गया है। धरने पर बैठने वालों में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. तुषार चौधरी, मांडवी विधायक आनंद चौधरी, मनपा में नेता विपक्ष प्रफुल्ल तोगडिया, पूर्व शहर कांग्रेस प्रमुख हंसमुख देसाई, पार्षद असलम साइकिलवाला समेत कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

# भारत देश नहीं है सक्षम साइबर आतंकवाद से लड़ने के लिए: जुडिशल काउन्सिल

नई दिल्ली : साइबर टेरीरिसम पर राउंड टेबल में विश्व में बढ़ते हुए साइबर आतंकवाद पर चिंता व्यक्त की गयी और आज इस विषय को अगर गंभीरता से नहीं लिया गया तो वोह दिन दूर नहीं जब पूरा विश्व इसकी चपेट में होगा श्री मनमोहन शर्मा जज इन्चारज मध्यस्थता केंद्र रोहिणी कोर्ट जो इस में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किये गए थे उन्हों ने विश्व को तैयार रहेने की हिदायत दी हम सबको पहल अपने से करनी होगी , अब जो तीसरा विश्व युद्ध होगा वोह साइबर विश्व युद्ध होगा और उसके नुक्सान की भरपाई नहीं हो सकती अधिवक्ता सुनील मोहन अगर हमलोगों को साइबर आतंकवाद से लड़ना है तो भारत देश को अपनी साइबर फ़ोर्स बनानी होगी जो सिर्फ और सिर्फ साइबर आतंकवाद पर ही अपना पूरा धयान लगाये जिस से किसी भी वक़्त अचानक आये साइबर अटैक का सामना कर सके वक्ताओं में जुडिशल काउन्सिल के डायरेक्टर जनरल श्री राजीव अग्निहोत्री श्री अग्निहोत्री के मुताबिक साइबर क्राइम और साइबर आतंकवाद को समझने की जरूरत है जहाँ क्राइम में सिर्फ एक या दो लोगों का नुक्सान होता है वहीं साइबर आतंकवाद में पूरा देश लपेटे में आ जाता है और पूरी व्यवस्था चरमरा जाती है पुलिस अभी साइबर आतंकवाद से पूरी तरह निपटने में सक्षम नहीं है और सिर्फ इकनोमिक ओफ्फेंसस विंग जो पुलिस फ़ोर्स की विशेष यूनिट है सिर्फ वो ही दर्ज कर सकती है साइबर आतंकवाद की प्रथिमिक रिपोर्ट लोकल थानों में दर्ज करवाने का भी प्रधान होना चाहिये और साइबर आतंकवाद की जाँच डिप्टी कमिश्नर के औहदे का ही अधिकारी करे जिससे जाँच किसी भी तरह प्रभावित न हो और वक़्त पर जाँच पूरी हो सके और मुक़दमा वक़्त पर शुरु हो पाये श्री

अग्निहोत्री ने यह भी बताया की यह देश की औपचारिक पहली राउंड टेबल है छपरा बार के अधिवक्ता श्री नसीर हैदर के मुताबिक आज हम सब साइबर वर्ल्ड से जुड़ चुकें हैं हमारे मोबाइल का गलत इस्तेमाल किसी और के द्वारा हमे अपराधी सिद्ध कर सतकी है इस लिए अपने फ़ोन को किसी भी अनजान व्यक्ति को ना दें ।

# स्मीमेर अस्पताल में एक परिवार ने बच्चा बदलने का लगाकर आरोप

## डीएनए जांच के लिए माता-पिता एवं लडक़ी के नमूने लिए

सूरत. स्मीमेर अस्पताल में गुरुवार सुबह नवजात शिशुओं की अदला-बदली होने का आरोप लगाते हुए एक परिवार ने हंगामा मचाया था। अब वराछा पुलिस ने माता-पिता तथा लडक़ी का डीएनए जांच के लिए नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजा है। रिपोर्ट आने के बाद नवजात शिशुओं की अदला-बदली हुई या नहीं, यह पता चलेगा।

भाठेना पंचशील नगर निवासी मुमताज बानु साजिद सिद्दीकी (24) ने गुरुवार सुबह स्मीमेर अस्पताल में लडक़ी को जन्म दिया था। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में बच्चा बदल देने का कहते हुए हंगामा मचाया था। परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें जन्मजात खामी वाला बच्चा दिया गया है। जबकि मुमताज ने लडक़े को जन्म दिया था। प्रसूति से पूर्व करवाई गई सोनोग्राफी रिपोर्ट में नोर्मल थी और बाद में जन्मजात खामी कैसे आ गई। यह मामला आरएमओ के भी पहुंचा था। लेकिन, गायनेक विभाग के अध्यक्ष ने ऐसी कोई घटना नहीं होने की बात कहते हुए मामले से पल्ला झाड़ लिया था।

इस मामले में एमएलसी केस दर्ज करते हुए वराछा पुलिस जांच के लिए पहुंची। लडक़ी का वजन करीब 1.750 किलो है। लडक़ी के रीड की हड्डी में तकलीफ है, जिससे उसके पैर में हलचल नहीं हो रही है। वराछा पुलिस के एएसआइ रणजीतभाई ने बताया कि परिवार को आशंका है, इसलिए डीएनए जांच की कार्रवाई शुरू की गई है। इसके लिए माता-पिता व लडक़ी के नमूने लेकर जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद पूरे मामले का सच सामने आ जाएगा।

# आइओसी बनाएगी यार्न, घट सकती है वीवर्स की परेशानी

सूरत। यार्न की लगातार बढ़ती कीमतों से परेशान वीवर्स को संभवत: जल्द ही राहत मिल सकती है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन भी फिर से यार्न बनाने के कच्चे माल और यार्न बनाने की तैयारी में जुट गया है। आइओसी ने इस सिलसिले में कई औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और सरकार की ओर से मंजूरी मिलने के बाद आइओसी यार्न का उत्पादन शुरू कर देगी। सूरत आए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक आरतीनाथ झा ने बताया कि यार्न बनाने के लिए आवश्यक कच्चे माल एमइजी और पीटीए बनाने का प्लांट पारादीप में करीब 13 हजार करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहा है। इसमें से एमइजी का प्लांट 2021 तक शुरू हो जाएगा। और 2022 तक पीटीए का प्लांट भी तैयार हो जाएगा। आइओसी के पानीपत के प्लांट में पहले से एमइजी और पीटीए बन रहा है। जो कि देशभर में यार्न उद्यमियों को बेचा जाता है, लेकिन अब आइओसी ही खुद बड़े पैमाने पर यार्न बनाने की सोच रही है। इसके लिए ओडिशा सरकार ने भद्रक में जमीन भी दे दी है और सरकार के समक्ष यह मामला विचाराधीन है। मंजूरी मिलते ही यार्न प्लांट का काम शुरू हो जाएगा। फिलहाल देश में साढ़े चार मिलियन टन यार्न का वार्षिक उत्पादन हो रहा है।?र उल्लेखनीय है कि आइओसी के पारादीप स्थित एमइजी और पीटीए के प्लांट से कपड़ा उद्यमियों को बहुत राहत मिलने की उम्मीद है। अभी तक पूरे देश में एमइजी और पीटीए के उत्पादन का बड़ा हिस्सा एक कंपनी के पास ही था। इस कारण पूरे देश के पॉलिएस्टर कपड़ा उद्यमियों को उस पर ही टिके रहना पड़ता था, लेकिन आइओसी के पारादीप प्लान्ट के कारण प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और कपड़ा उद्यमियों के पास विकल्प बढ़ेगा। कपड़ा उद्यमी संजय सरावगी ने बताया कि आइओसी की यह पहल कपड़ा उद्योग के लिए अच्छी है। इससे कपड़ा उद्यमियों के पास यार्न के कच्चे माल और यार्न खरीदने का विकल्प बढ़ेगा।

## हार्दिक पटेल सोला सिविल अस्पताल में भर्ती

# अनशन पर बैठे हार्दिक की तबियत और अधिक बिगडी

## हार्दिक और गुजरात सरकार दोनों अपनी जीद छोड़कर झुकने को राजी : हार्दिक को बेंगलोर ले जाने पर विचार

अहमदाबाद । गुजरात में अनशन पर बैठे हार्दिक पटेल को स्वास्थ्य खराब होने की वजह से शुक्रवार को सोला सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया । हार्दिक पटेल की दोपहर के वक्त तबियत एकदम बिगड़ने से उन्हें सोला अस्तपाल में ले जाया गया । आज अनशन के १४वें दिन उनकी हालत खराब हुई । मिली जानकारी के मुताबिक हार्दिक को अब अधिक इलाज के लिए बेंगलोर ले जाने पर भी विचार हो रहा है । खोडलधाम ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश पटेल से बातचीत के बाद हार्दिक की तबियत खराब हुई ।

हार्दिक पटेल पाटीदार समुदाय को आरक्षण और किसानों की कर्जमाफी की मांग को लेकर अनशन पर बैठे हैं । इस बीच, हार्दिक ने ट्वीट किया है अनिश्चितकालीन उपवास आंदोलन के चौदवें दिन आज मेरी तबीयत बिगड़ने की वजह से मुझे अहमदाबाद की सोला सरकारी अस्पताल में भर्ती किया है । श्वास लेने में तकलीफ हो रही है और किडनी पर नुकसान बता रहे हैं । अभी तक भाजपा वाले किसान और समुदाय की मांग को लेकर तैयार नहीं है । खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटले की मध्यस्थता के बाद अनशन पर बैठे पाटीदार नेता हार्दिक पटेल व गुजरात सरकार दोनों अपनी जिद छोड़कर थोड़ा-थोड़ा झुकने को राजी हुए हैं । हार्दिक ने ज हां अस्पताल में भर्ती होने पर रजामंदी दी, वहीं सरकार भी हार्दिक की मांग पर विचार को तैयार हुई है ।

लेउवा पटेल समाज की कुलदेवी मां खोडलधाम के प्रमुख ट्रस्टी नरेश पटेल ने उपवास स्थल जाकर हार्दिक पटेल से मुलाकात की तथा उसे अनशन तोडने की सलाह के साथ जल्द अस्पताल में भर्ती होने का कहा । माना जा रहा है कि हार्दिक के अस्पताल में भर्ती होने की रजामंदी के मद्देनजर ही सोला सिविल अस्पताल में छह डॉक्टरों की टीम ने आईसीयू में तैयारी शुरू कर दी उधर राज्य सरकार ने भी वार्ता के लिए दरवाजे खोल दिए ।

पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति के प्रवक्ता मनोज पनारा ने गुरुवार को कहा कि गुजरात का किसान बीते २५ साल से भाज पा को वोट देता आ रहा है । उस पर करीब ५२ हजार करड़ का कर्ज है जिसे माफ किया जाना चाहिए । पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने लेउवा पटेल समाज की कुलदेवी मां खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल को सरकार से बातचीत के लिए चुना है । इससे पहले भाजपा अध्यक्ष ज ीतू वाघाणी ने हार्दिक पटेल पर समाज की भावना का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हित में काम कर रही है । हार्दिक कांग्रेस की शह पर सरकार को इमोशनली ब्लैकमेल करना चाह रहे हैं ।

### समाधान के लिए आए हैं : पटेल

## नरेश पटेल की हार्दिक और अन्यो के साथ चर्चा

अहमदाबाद । हार्दिक पटेल के उपवास आंदोलन का समाधानपूर्वक अंत लाने के लिए पहुंचे होने की बात आज खोडलधाम ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश पटेल ने कही । उन्होंने कहा की सभी के साभ बातचीत की जा रही है । अहमदाबाद पहुंचने के बाद नरेश पटेल ने अन्यो के साथ भी बातचीत शुरु की । हार्दिक पटेल को उपवास खतम करने की भी नरेश पटेल ने सलाह दी । हार्दिक पटेल को मिलने के बाद उन्होंने बताया कि हार्दिक की मांग और भावनाएं सरकार तक पहुंचाने के लिए वे तैयार है ।

# झाडिय़ों के बीच रजाई में लिपटी मिली नवजात

सूरत। सचिन जीआईडीसी-कनसाड़ रोड पर रेलवे ब्रिज के पास पेड़ के नीचे से झाडिय़ों के बीच छह से सात दिन की एक नवजात बच्ची लावारिस हालत में मिली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसे न्यू सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया है। सचिन जीआईडीसी-कनसाड़ रोड पर शुक्रवार सुबह रजाई और गुलाबी रंग के बेबी रूमाल में लिपटी हुए एक नवजात बच्ची मिली। स्थानीय लोगों ने 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस कर्मियों ने नवजात की जांच की और उसे स्वस्थ बताया। इसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और फिर बच्ची को न्यू सिविल अस्पताल ले जाया गया। यहां उसे आइसीयू वार्ड में रखा गया है। चिकित्सकों के मुताबिक बच्ची स्वस्थ है और उसका वजन करीब 2.455 किलो है। नवजात बच्ची को इस तरह लावारिस कौन छोड़ गया, इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

# किसानों का कर्ज माफ करने के लिए कांग्रेस का धरना

वलसाड.खेरगाम. जिले में कांग्रेस ने किसानों की कर्जमाफी के लिए आंदोलन शुरु करते हुए शुक्रवार को कलक्ट्रेट के बाहर धरना दिया। बाद में एक रैली भी निकाली जो पार्टी कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। खेरगाम कांग्रेस ने भी रैली निकालकर किसानों की कर्जमाफी और कर मुक्त बीज समेत अन्य किसानों के लिए अन्य सहूलियतों की मांग की। जानकारी के अनुसार राज्य भर में किसानों के कर्ज को माफ करने के लिए मांग हो रही है। पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने भी इस मुद्दे पर अनशन शुरु किया है। इसका समर्थन करते हुए कांग्रेस ने भी पूरे राज्य में शुक्रवार को आंदोलन किया। जिसके अंतर्गत वलसाड में कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा धरना दिया गया और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। बाद में कांग्रेस ने कलक्ट्रेट से रैली भी निकाली लेकिन इसमें गिनती के ही कार्यकर्ता शामिल रहे।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com